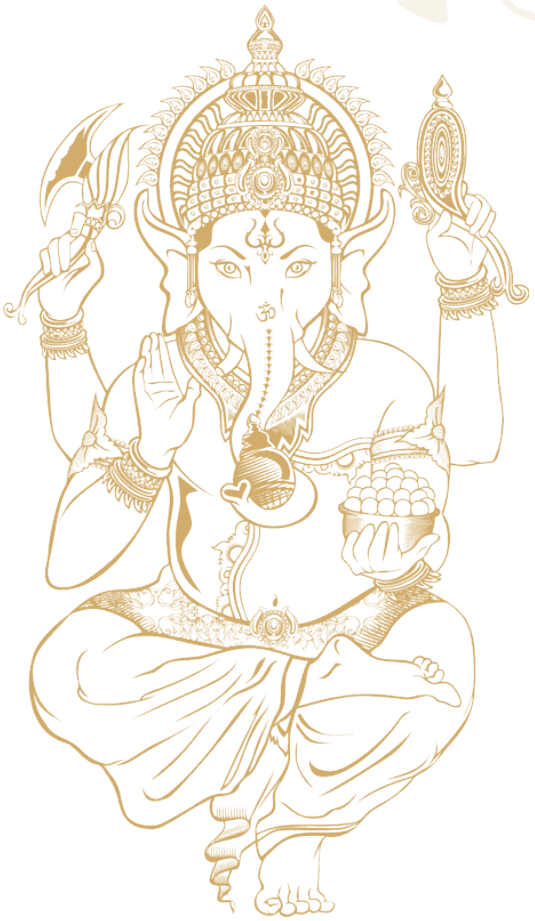

26 Feb 2026

12:18 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121405503

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**26/02/2026**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**12:18:00 घंटे**
इष्ट	13:40:38 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:56:52 घंटे
वेलान्तर	-00:12:54 घंटे
साम्पातिक काल	22:21:25 घंटे
सूर्योदय	06:49:44 घंटे
सूर्यास्त	18:18:44 घंटे
दिनमान	11:29:00 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	13:27:11 कुम्भ
लग्न के अंश	25:28:11 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**आर्द्रा - 1**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	प्रीति
करण	तैतिल
गण	मनुष्य
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	कू-कुणाल
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	25:28:11	349:23:34	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	राहु	---
सूर्य			कुंभ	13:27:11	01:00:19	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	बुध	शत्रु राशि
चंद्र			मिथु	06:43:57	14:10:31	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	मित्र राशि
मंगल		अ	कुंभ	02:22:44	00:47:17	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	केतु	सम राशि
बुध	व		कुंभ	28:20:27	00:00:00	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	सम राशि
गुरु	व		मिथु	21:07:59	00:02:31	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			कुंभ	25:36:08	01:14:52	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	मित्र राशि
शनि			मीन	07:10:40	00:07:04	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	सम राशि
राहु			कुंभ	14:45:17	00:00:09	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु			सिंह	14:45:17	00:00:09	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	03:27:08	00:01:10	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	06:43:21	00:02:07	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	10:14:04	00:01:40	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
दशम भाव			कुंभ	09:12:29	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:28

लग्न-चलित

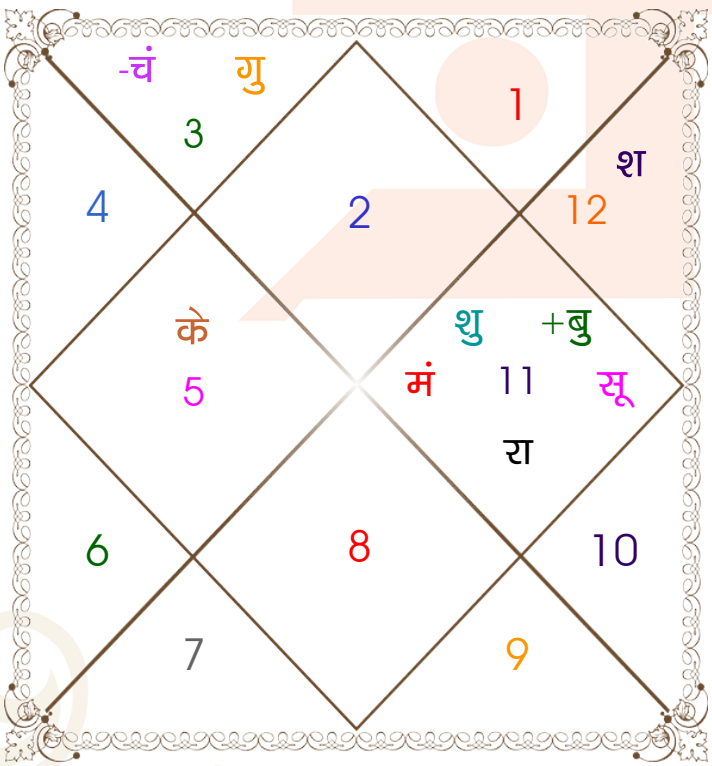

चन्द्र कुंडली

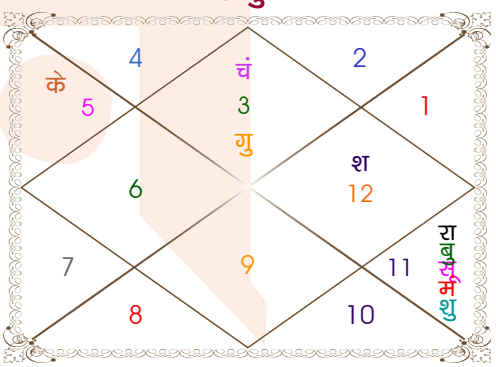

नवमांश कुंडली

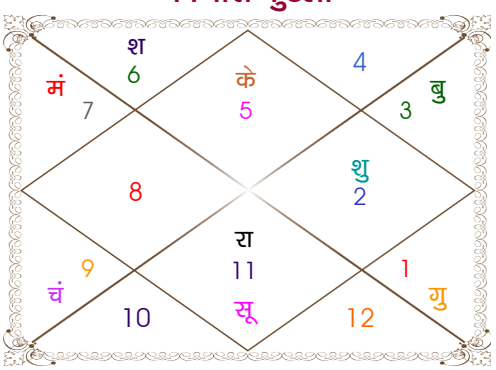

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 17 वर्ष 10 मास 28 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
26/02/2026		25/01/2044		25/01/2060		25/01/2079		25/01/2096	
25/01/2044		25/01/2060		25/01/2079		25/01/2096		26/01/2103	
राहु	07/10/2028	गुरु	14/03/2046	शनि	28/01/2063	बुध	22/06/2081	केतु	22/06/2096
गुरु	02/03/2031	शनि	25/09/2048	बुध	07/10/2065	केतु	20/06/2082	शुक्र	22/08/2097
शनि	06/01/2034	बुध	31/12/2050	केतु	16/11/2066	शुक्र	20/04/2085	सूर्य	28/12/2097
बुध	26/07/2036	केतु	07/12/2051	शुक्र	15/01/2070	सूर्य	24/02/2086	चंद्र	29/07/2098
केतु	13/08/2037	शुक्र	07/08/2054	सूर्य	28/12/2070	चंद्र	26/07/2087	मंगल	25/12/2098
शुक्र	13/08/2040	सूर्य	27/05/2055	चंद्र	29/07/2072	मंगल	23/07/2088	राहु	13/01/2100
सूर्य	08/07/2041	चंद्र	25/09/2056	मंगल	07/09/2073	राहु	09/02/2091	गुरु	20/12/2100
चंद्र	07/01/2043	मंगल	31/08/2057	राहु	13/07/2076	गुरु	17/05/2093	शनि	29/01/2102
मंगल	25/01/2044	राहु	25/01/2060	गुरु	25/01/2079	शनि	25/01/2096	बुध	26/01/2103

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
26/01/2103		26/01/2123		25/01/2129		26/01/2139		26/01/2146	
26/01/2123		25/01/2129		26/01/2139		26/01/2146		00/00/0000	
शुक्र	27/05/2106	सूर्य	15/05/2123	चंद्र	26/11/2129	मंगल	24/06/2139	राहु	27/02/2146
सूर्य	28/05/2107	चंद्र	14/11/2123	मंगल	27/06/2130	राहु	11/07/2140		00/00/0000
चंद्र	25/01/2109	मंगल	21/03/2124	राहु	27/12/2131	गुरु	17/06/2141		00/00/0000
मंगल	27/03/2110	राहु	13/02/2125	गुरु	27/04/2133	शनि	27/07/2142		00/00/0000
राहु	27/03/2113	गुरु	02/12/2125	शनि	26/11/2134	बुध	24/07/2143		00/00/0000
गुरु	26/11/2115	शनि	14/11/2126	बुध	26/04/2136	केतु	21/12/2143		00/00/0000
शनि	26/01/2119	बुध	20/09/2127	केतु	25/11/2136	शुक्र	19/02/2145		00/00/0000
बुध	26/11/2121	केतु	26/01/2128	शुक्र	27/07/2138	सूर्य	26/06/2145		00/00/0000
केतु	26/01/2123	शुक्र	25/01/2129	सूर्य	26/01/2139	चंद्र	26/01/2146		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 17 वर्ष 10 मा 28 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपके जन्म आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था, उस समय मेदिनीय क्षितिज पर वृष लग्न के साथ-साथ सिंह नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण का प्रभाव भी आपके जन्मकाल पर पड़ रहा था। मृगशिरा नक्षत्र के प्रथम चरण में जन्मप्रभाव से ऐसा विदित हो रहा है कि आपके प्रारंभिक जीवन के 28 वें वर्ष से अच्छा समय प्रारंभ हो जाएगा।

वृष लग्न पृथ्वी तत्व का सूचक है। इस लक्षण से आप उत्साह पूर्वक सुख आनंद तथा भोग विलास संबंधी वस्तुओं की प्राप्ति अपने प्रभुत्व रीति से जो कुछ भी हो संभाव्य है। उसके कार्य अथवा कर्तव्य, सेवा कार्यादि यथार्थ रूप से प्राप्त करने की कोई संभावना नही है। आप उपयुक्त समय पर अपने मस्तिष्क को कार्य रूप बनाकर कार्यरंभ एवं कार्य संपादन की प्रतीक्षा करेंगे। कार्यात्मक करने का प्रयास आकस्मिक रूप से अच्छी प्रकार करेंगे। ताकि आप लक्ष्य की प्राप्ति हेतु कार्य संपादित कर सकेंगे।

आप अपनी योजना के बारे में सैद्धांतिक रूप से पूर्ण एकाग्रचित होकर, कार्यारंभ करेंगे। आप सामान्यतः बहुत शांत चित्त प्रवृति के प्राणी हैं। परंतु यदि कोई भी व्यक्ति आपके रास्ते में आकर आपके उद्देश्य का उलंघन करना अथवा आपको पराजित करना चाहे तो आप निश्चित रूप से बिना हिचकिचाहट के ज्वालामुखी की तरह विस्तृत रूपेण बलपूर्वक अपने शत्रुओं को परास्त कर देंगे। उदाहरण स्वरूप कोई अन्य आपकी उन्नति में बाधा पहुंचाए अथवा इस प्रकार का कोई संदेहात्मक अनैतिक एवं व्यवधानकारी विचार नही करेगा। आप भविष्य की बिना प्रतीक्षा किए पुनः उसे प्रवृत्ति को त्याग देना चाहते है ताकि आपकी छवि धूमिल न हो सके।

आपके लिए आपकी छवि महत्वपूर्ण है। क्योंकि आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली है। आप मध्यम कद के सशक्त मांसल युक्त गठीला एवं ठोस शरीरिक से सशक्त है। आपके विस्तृत कंधे एवं पूर्ण विकसित छाती आपकी प्रतिभा को चमत्कृत करता है।

आप जब आवेश में आकर सांसारिक वासनामय आरामदायक सुखों की तलाश में कामोत्तेजक एवं व्यभिचारिक बहाव में आ जाते है। तो इसकी पूर्ति हेतु अपने गुप्तांगो की क्षति का जोखिम भी उठाकर असीमित सुख भोग में लिप्त हो जाते हैं। आपको इस प्रकार की प्रवृति का त्याग करना चाहिए।

इसके अतिरिक्त आप किसी प्रकार की स्थिति को सुखद बनाने के लिए कृतसंकल्प रहते हैं। आप अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ शांति एवं प्रसन्नता पूर्वक जीवन बिताना चाहते हैं। आपकी पत्नी अच्छी है जो निरंतर आपके अनुकूल आपकी सहायता के लिए स्वेच्छा पूर्वक प्रस्तुत रहती है। आप अपने परिवार को अच्छी प्रकार चलाने की भूमिका पूर्ण रूपेण संघर्षरत रह कर निभाने के लिए प्रयास करते रहोगे।

आप में दो प्रकार की उत्कंठा विद्यमान है। सर्व प्रथम आप सदैव ही धनोपार्जन करना चाहते हैं तथा दूसरा आपको अपने शारीरिक कष्ट से छुटकारा पाने की उत्कंठा बनी रहती

है। यद्यपि सामान्यतः आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथापि आपकी बांह पर कोई साधारण कटने अथवा टूटने के अतिरिक्त आपके कंधों में दर्द हो सकता है। आपको अपने स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहना होगा। क्योंकि आप में स्वास्थ्य लाभ करने की शक्ति क्षीण हो गई है। जिस वजह से आप शीघ्रता पूर्वक पूर्ण रूपेण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करने में असमर्थ रहेंगे। हर दृष्टिकोण से यह संभव है कि आप शारीरिक रूप से स्वस्थ्य रहेंगे।

ध्यान दें आपके लिए अनुकूल अंक 2 एवं 8 अंक है जिसे आप उत्तम समझकर व्यवहार में ला सकते हैं। सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।